



खबर बदलाव की

आईआईटी इंदौर-एम्स भोपाल की टीम ने तैयार किया

मेडिकल रिपोर्ट 22 भाषाओं में समझाएगा टूल... किससे इलाज लें, ये भी बताएगा

डॉ. चंद्रेश कुमार मौर्या
असिस्टेंट प्रोफेसर,
आईआईटी इंदौर



देश में करोड़ों लोग हर साल मेडिकल टेस्ट कराते हैं, लेकिन जब रिपोर्ट आती है, तो ज्यादातर लोगों को समझ ही नहीं आता कि उसमें लिखा क्या है। अमूमन रिपोर्ट अंग्रेजी में होती है और उसमें इस्तेमाल मेडिकल शब्दावली आम लोगों की समझ से बाहर होती है। यही वजह है कि कई बार इलाज में देरी हो जाती है, गलत डॉक्टर के पास लोग चले जाते हैं या बिना समझे कोई दवा लेना शुरू कर देते हैं।

इस समस्या को हल करने के लिए आईआईटी इंदौर ने एम्स भोपाल के सहयोग से एक नया ट्रांसलेशन टूल तैयार किया है, जो मेडिकल रिपोर्ट्स को स्थानीय भारतीय भाषाओं में बदलेगा। ये टूल रिपोर्ट को सिर्फ ट्रांसलेट नहीं करेगा, बल्कि यह बताएगा कि उस रिपोर्ट में जो बीमारी है, उसका इलाज किस नजदीकी डॉक्टर से करवा सकते

हैं। शुरुआत में यह टूल हिंदी में काम करेगा, लेकिन आगे चलकर इसे देश की 22 आधिकारिक भाषाओं में ले जाने की योजना है। अभी यह प्रोजेक्ट एक्स-रे, सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी रिपोर्ट्स पर काम कर रहा है। इसका कारण ये है कि इन्हीं रिपोर्ट्स से बीमारी की सही पहचान होती है और इन्हें समझना सबसे मुश्किल होता है। यह टूल रिपोर्ट को स्कैन करेगा और समझने लायक भाषा में उसका सार बताएगा।

इस टूल का फिलहाल पूरा फोकस उन रिपोर्ट्स पर है, जिन्हें देखकर बीमारी पकड़ी जाती है। इस टूल को बनाने में एम्स भोपाल की रेडियोलॉजी टीम भी शामिल है। एम्स के डॉक्टर इस सिस्टम को क्लीनिकली वैलिडेट कर रहे हैं, ताकि इसका रिजल्ट भरोसेमंद हो। डॉक्टर की हाथ से लिखी दवाइयों की पर्ची या डिस्चार्ज समरी को भी भविष्य में जोड़ने की योजना है।

- जैसा रोमेश साहू को बताया

ग्रामीण इलाकों में पीएचसी को जोड़ेंगे



प्रतीकात्मक तस्वीर

देश के दूर-दराज के इलाकों में लोगों को स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए इस टूल को प्राइमरी हेल्थ सेंटर्स (पीएचसी) से भी जोड़ा जाएगा। इससे ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को उनके आसपास मौजूद विशेषज्ञ डॉक्टर की जानकारी भी मोबाइल ऐप पर मिल सकेगी। अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों को भी इसमें लिस्ट किया जाएगा।

एप पर स्कैन करते ही ट्रांसलेट कर देगा टूल

जब मरीज की रिपोर्ट फोन पर आती है (PDF या फोटो), तो उसे ऐप पर अपलोड करना होगा। ऐप रिपोर्ट को स्कैन करेगा और बीमारी का नाम व रिपोर्ट का सार स्थानीय भाषा में दिखाएगा। इसके बाद यह सिस्टम बताएगा कि किस डॉक्टर को दिखाना है, कहां मिलेंगे और कब मिल सकते हैं।

एक्स-रे फिल्म पर टेस्टिंग, इस साल मार्केट में आएगा

अभी इस टूल को एक्स-रे फिल्म पर टेस्ट किया जा रहा है, जिसमें ये फिल्म से रिपोर्ट जनरेट कर रहा है। अगले दो महीनों में रिपोर्ट में ट्रांसलेशन व बीमारी के सुझाव वाला सिस्टम जुड़ जाएगा। इसके बाद डॉक्टर से जुड़ने का फीचर भी एड होगा। 2025 के अंत तक ये मार्केट में उपलब्ध होगा।